कक्षा- VI

साइकिल की सवारी

1. लेखक के मन में कौन सी धारणा बैठ गई है?

उत्तर- लेखक के मन में धारणा बैठ गई थी कि वे सब कुछ कर सकते हैं पर न साइकिल चला सकते हैं और न ही हारमोनियम बजा सकते हैं ।

2. लेखक ने फटे- पुराने कपड़े अपनी पत्नी को क्यों दिए?

उत्तर- लेखक साइकिल चलाना सीखना चाहते थे और उन्हें यह ज्ञात था कि साइकिल सीखने के दौरान गिरने पर कपड़े फटेंगे ही,तो नए कपड़ों का नुकसान न हो। इसलिए वे पुराने कपड़ों से ही काम चलाना चाहते थे।

3. लेखक के मन में साइकिल प्रशिक्षण विद्यालय खोलने का विचार क्यों आया?

उत्तर- गुरुजी ने जब फ़ीस के रूप में बीस रुपए लेने की बात की तो लेखक को लगा कि साइकिल सिखाने में बहुत फ़ायदा है। तभी उनके मन में आमदनी बढ़ाने की बात आई कि जब वे साइकिल चलाना सीख लेंगे तो एक साइकिल प्रशिक्षण विद्यालय खोलेंगे और महीने में ढाई -तीन सौ रुपये की आमदनी हो जाएगी। इसलिए लेखक के मन में साइकिल प्रशिक्षण विद्यालय खोलने का विचार आया।

4. साइकिल चलाते समय लेखक को क्यों डर लगता था?

उत्तर- आठ -नौ दिनों में लेखक ने साइकिल चलाना सीख लिया था , लेकिन उन्हें उस पर चढ़ना,ब्रेक लगाना,और साइकिल को मोड़ना नहीं आता था।कोई सहारा देकर चढ़ा देता तो वे चलाने लगते। सीधी सड़क पर चलते जाते और रास्ते में कोई आता तो दूर से ही हटने के लिए चिल्लाने लगते। सामने से कोई गाड़ी आती तो डर जाते थे कि कहीं वह किसी गाड़ी से टकरा गए तो उनकी जान भी जा सकती है।

5. लेखक साइकिल चलाना क्यों सीखना चाहते थे?

उत्तर- लेखक कलियुग की दो विद्याएँ, हारमोनियम बजाना और साइकिल चलाना दोनों नहीं जानते थे। लेकिन जब उन्होंने अपने लड़के को साइकिल पर सवार होकर जाते देखा तो उन्हें इस बात पर शर्म आने लगी कि पूरी दुनिया में केवल वही हैं, जिन्हें यह विद्या नहीं आती। अतः उनके मन में साइकिल सीखने का विचार आया।

6. तिवारी जी ने लेखक को क्या सलाह दी?

उत्तर- तिवारी जी ने लेखक से कहा कि साइकिल की सवारी भी कोई सवारी है और उम्र के इस पड़ाव पर लेखक साइकिल सीखेंगे तो उन्हें बहुत कठिनाई होगी। अतः उन्होंने लेखक को साइकिल न सीखने की सलाह दी।

7. साइकिल सीखने का पहला दिन मुफ्त में गया- कैसे?

उत्तर- साइकिल सीखने के उत्साह में लेखक घर से जल्दी- जल्दी पजामा और कुर्ता उलटा ही पहनकर निकल गए थे ,जिस कारण लोग उन पर हँस रहे थे। इसलिए लेखक घर वापस लौट आए और उनका पहला दिन मुफ़्त में ही चला गया।

8. लेखक कैसे बेहोश हो गए?

उत्तर- लेखक ने अभी-अभी साइकिल चलाना सीखा ही था कि अचानक उनके रास्ते में एक ताँगे वाला आ गया और उस ताँगे वाले का घोड़ा भड़क गया। लेखक बच सकते थे पर उन्हें साइकिल मोड़ने का ख़्याल ही नहीं आया और हड़बड़ी में उस ताँगे से टकरा गए और साइकिल सहित ताँगे के नीचे आ गए ।जिस कारण लेखक बेहोश हो गए।

9. 'यह चकमा उसको देना जो कुछ ना जानता हो'- लेखक की पत्नी ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर- लेखक साइकिल से गिरने का सारा दोष तिवारी जी के सिर मढ़ना चाहते थे लेकिन लेखक जिस ताँगे से टकराकर बेहोश हुए थे ,उस ताँगे पर उनकी पत्नी अपने बच्चों के संग घूमने निकली थी । इसलिए लेखक की पत्नी ने ऐसा कहा कि - 'यह चकमा उसको देना जो कुछ ना जानता हो'।

10. इन कथनों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) 'मेरी मानो तो यह रोग ना पालो। इस अवस्था में साइकिल पर चढ़ोगे?'

उत्तर- यह पंक्तियाँ लेखक के मित्र तिवारी जी ने उनसे तब कहीं जब वह साइकिल सीखने की बात कह रहे थे। इस पर तिवारी जी ने उन्हें समझाते हुए कहा कि इस अवस्था में साइकिल सीखना उनके लिए कठिन होगा।

(ख) 'मैं तो चाहती हूँ कि तुम हवाई जहाज़ चलाओ।'

उत्तर- जब लेखक ने अपनी पत्नी को साइकिल सीखने के बारे में बताया तो लेखक की पत्नी ने उन पर व्यंग्य करते हुए कहा कि वह तो चाहती हैं कि लेखक साइकिल क्या, हवाई जहाज़ चलाना सीखें।

(ग) मगर हमारे वीर हृदय का साहस और धीरज देखिए। अब भी मैदान में डटे रहे।

उत्तर- लेखक ने यह बात तब कही जब वे दूसरे ही दिन साइकिल सीखने से पहले ही जख़्मी हो गए और लँगड़ाते हुए घर लौट आए। टूटी साइकिल को मिस्त्री के यहाँ ठीक कराने के लिए भेज दिया। इतना कुछ होने के बावजूद भी लेखक ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपना धीरज और साहस बनाए रखा।

(घ) मगर बुरा समय आता है तो बुद्धि पहले ही भ्रष्ट हो जाती है।

उत्तर- लेखक जब ताँगे वाले से टकराए तो उन्हें हैंडल मोड़ने का विचार बिल्कुल भी नहीं आया अगर वह ज़रा-सा हैंडल घुमा देते तो दूसरी तरफ़ निकल जाते और टकराने से बच जाते, लेकिन लेखक ने ठीक ही कहा है कि जब बुरा समय आता है तो बुद्धि पहले ही भ्रष्ट हो जाती है अर्थात् दिमाग काम करना बंद कर देता है।

भाषा संसार :---

1)भाववाचक संज्ञा से विशेषण बनाइए:--

क)दया --दयालु

ख)लज्जा--लज्जित

ग)शर्म----शर्मीला

घ)क्रोध---क्रोधी

ङ)रोब---रोबीला

च)सहायता---सहायक

छ)श्रद्धा---श्रद्धालु

ज)साहस---साहसी

2)मुहावरे के अर्थ लिखें:---

क)फूला न समाना--- बहुत खुश होना

ख)दिल पसीजना--- दया आना

ग)कानों कान खबर न होना---किसी को पता न चलना

घ)सिर मुड़ाते ही ओले पड़ना---काम शुरु होते ही बाधा आना

ङ)जान में जान आना---राहत मिलना

च)प्राण सूख जाना---- डर जाना